पाठ-7-नीति के दोहे

****

बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर। पंथी को छाया नहीं, फल लागे अति दूर॥

अर्थ : खजूर के पेड़ की भाँति बड़े होने का कोई फायदा नहीं है, क्योंकि इससे न तो यात्रियों को छाया मिलती है, न इसके फल आसानी से तोड़े जा सकते हैं। अर्थात् बड़प्पन के प्रदर्शन मात्र से किसी का लाभ नहीं होता।

****

"**ऐसी वाणी बोलिये मन का आपा खोय। औरन को शीतल करे, आपहुं शीतल होय।**"

अर्थ: हमें ऐसी मधुर वाणी बोलनी चाहिए, जिससे दूसरों को शीतलता का अनुभव हो और साथ ही हमारा मन भी प्रसन्न हो उठे।

****

काल करे सो आज कर, आज करे सो अब । पल में प्रलय होएगी, बहुरि करेगा कब ॥

अर्थ : कबीर दास जी समय की महत्ता बताते हुए कहते हैं कि जो कल करना है उसे **आज** करो और और जो **आज** करना है उसे अभी करो , कुछ ही समय में जीवन ख़त्म हो जायेगा फिर तुम क्या **कर** पाओगे.

****

"जो रहीम उत्तम प्रकृति, का करी सकत कुसंग. चन्दन विष व्यापे नहीं, लिपटे रहत भुजंग."

अर्थ :- रहीम ने कहा की जिन लोगों का स्वभाव अच्छा होता हैं, उन लोगों को बुरी संगती भी बिगाड़ नहीं पाती, जैसे जहरीले साप सुगंधित चन्दन के वृक्ष को लिपटे रहने पर भी उस पर कोई प्रभाव नहीं दाल पाते.

****

रूठे सुजन मनाइए, जो रूठे सौ बार. रहिमन फिरि फिरि पोइए, टूटे मुक्ता हार.

अर्थ : यदि आपका प्रिय सौ बार भी रूठे, तो भी रूठे हुए प्रिय को मनाना चाहिए,क्योंकि यदि मोतियों की माला टूट जाए तो उन मोतियों को बार बार धागे में पिरो लेना चाहिए.

****

तरुवर फल नहिं खात है, सरवर पियहि न पान। कहि रहीम पर काज हित, संपति संचहि सुजान।।1।।

अर्थ : कविवर रहीम कहते हैं कि जिसत तर पेड़ कभी स्वयं अपने फल नहीं खाते और तालाब कभी अपना पानी नहीं पीते उसी तरह सज्जनलोग दूसरे के हित के लिये संपत्ति का संचय करते हैं।

****

अभ्यास-कार्य

पाठ से

■ बहुविकल्पीय प्रश्न

(क) सही विकल्प के सामने ✓ लगाइए:

1. व्यक्ति को खजूर के पेड़ से शिक्षा ग्रहण-
   (अ) करनी चाहिए (ब) नहीं करनी चाहिए ✓
   (स) करते समय सावधान रहना चाहिए
2. खजूर के पेड़ का लाभ मिलता है-
   (अ) मुसाफिर को (ब) फल-विक्रेताओं को
   (स) किसी को नहीं ✓
3. जिसकी प्रकृति उत्तम है-
   (अ) कुसंग मिलने पर वह बिगड़ जाएगी (ब) कुसंग उसका कुछ नहीं बिगाड़ पाएगी ✓
   (स) उसे किसी संगति की आवश्यकता नहीं।
4. समझदार लोग अपनी संपत्ति का उपयोग-
   (अ) अपने व अपने परिवार के लिए ही करते हैं (ब) समाज के कार्यों में करते हैं ✓
   (स) किसी के प्रति नहीं करते
5. कल का कार्य आज ही कर लेना चाहिए क्योंकि-
   (अ) कल उसे करना याद नहीं रहेगा (ब) लोग प्रायः अपने कार्य भूल जाया करते हैं। ✓
   (स) विघ्न कभी भी आ सकता है।

(ख) दोहों की छूटी हुई पक्तियाँ लिखिए:

1. ऐसी बानी बोलिए, मन का आपा खोए।
   औरन को शीतल करे, आपहुं शीतल होय॥
2. बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर।
   पंथी को छाया नहीं, फल लागे अति दूर॥
3. जो रहीम उत्तम प्रकृति का करि सकत कुसंग।
   चन्दन विष व्यापे नहीं, लिपटे रहत भुजंग॥
4. तरुवर फल नहीं खात हैं, सरवर पियहि न पान।
   कहि रहीम पर काज हित, संपति संचहि सुजान॥

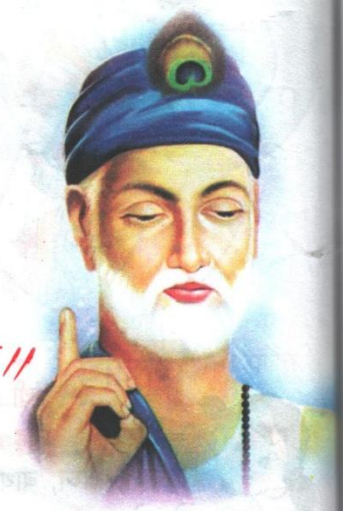

(ग) पाठ के दोहों के आधार पर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए:

1. वृक्ष और सरोवर दूसरों के लिए अपना जीवन बिताते हैं।
2. सज्जनों पर बुरे लोगों की संगति कोई प्रभाव नहीं डाल सकती।
3. समझदार लोग परोपकारी होते हैं।
4. आज का काम कल पर छोड़ना ठीक नहीं।
5. खजूर के पेड़ की तरह लंबा खड़ा होने से कोई लाभ नहीं। मनुष्य को परोपकारी भी होना चाहिए।

(घ) रेखा खींचकर दोहों की परस्पर संबद्ध पंक्ति का सुमेल कीजिए :

1. काल करे सौ आज कर,	(अ) लिपटे रहत भुजंग।।
2. बड़ा हुआ तो क्या हुआ,	(ब) संपत्ति संचहि सुजान।।
3. रूठे सुजन मनाइए,	(स) मन का आपा खोए।
4. चंदन विष व्यापत नहीं,	(द) आज करै सो अब।
5. कहि रहीम पर काज हित,	(य) जैसे पेड़ खजूर।
6. ऐसी बानी बोलिए,	(र) जो रूठे सौ बार।

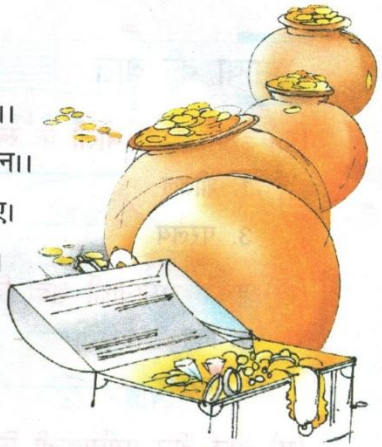

■ शुद्ध उच्चारण कीजिए :

कुसंग　भुजंग　संपत्ति　मुक्ताहार　व्यापत

■ इनके उत्तर लिखिए :

1. खजूर के पेड़ की उपमा किन लोगों के लिए की गई है?
   खजूर के पेड़ की उपमा बड़प्पन के प्रदर्शन करने वाले लोगो के लिये की गई है।
2. हमें किस प्रकार की वाणी बोलनी चाहिए?
   हमें मधुर वाणी बोलनी चाहिये।
3. आज का काम कल पर क्यों नहीं छोड़ना चाहिए?
   आज का काम कल पर छोड़ने से प्रायः हम अपना काम भूल जाते है।
4. उत्तम प्रकृति के लोगों पर कुसंग का क्या प्रभाव पड़ता है?
   उत्तम प्रकृति के लोगो पर कुसंग का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

■ भावार्थ लिखिए:

ऐसी बानी बोलिए, मन का आपा खोय।
औरन को सीतल करै, आपहू सीतल होय।।

जो रहीम उत्तम प्रकृति का करि सकत कुसंग।
चंदन विष व्यापत नहीं, लिपटे रहत भुजंग।।

भाषा की बात

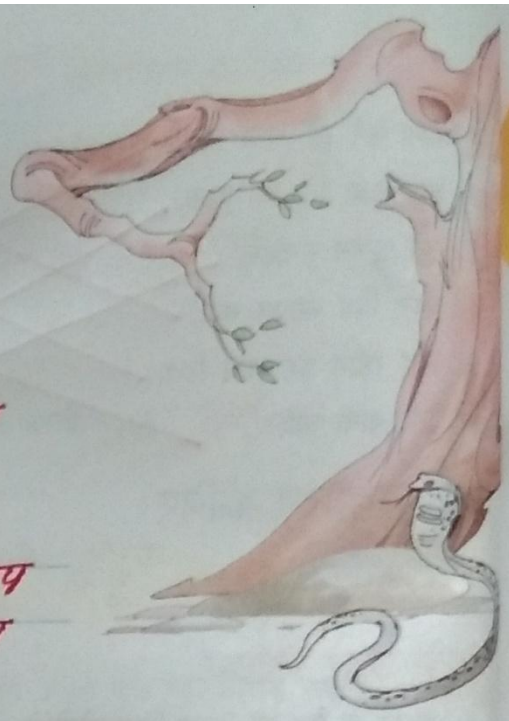

(क) इनके खड़ी बोली के रूप लिखिए:

1. शीतल ठंडा 2. बानी बोली
3. परलय विनाश 4. पंथी मुसाफिर

(ख) इनके समानार्थी शब्द लिखिए:

1. विष जहर 2. भुजंग सर्प, नाग
3. तरुवर पेड़ 4. अति बहुत

(ग) तीन-तीन पर्यायवाची लिखिए:

1. तरुवर वृक्ष पेड़ विटप
2. भुजंग सांप सर्प नाग

(घ) संज्ञा पद चुनकर लिखिए:

1. बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर। खजूर, बड़प्पन
2. ऐसी बानी बोलिए, मन का आपा खोय। बानी
3. तरुवर फल नहीं खात है। तरुवर
4. पल में परलय होयगी बहुरि करैगो कब। पल
5. पंथी को छाया नहीं, फल लागै अति दूर। पंथी

कुछ करने की बात

(क) प्रस्तुत पाठ से पृथक् कबीर के कोई दो दोहे लिखिए।

1. काबा फिर कासी भया, राम भया रहीम।
मोट चून मैदा भया, बैठ कबीर जीम॥

2. सुखिया सब संसार है, खावै अरु सोवै।
दुखिया दास कबीर है, जागै अरु रोवै॥

(ख) अच्छी और बुरी संगति का भेद बताते हुए 'अच्छी संगति' की विशेषता और बुरी संगति के दुष्परिणामों पर कक्षा में चर्चा कीजिए।

(ग) समाज में लोग भलाई के अनेक कार्य करते हैं। आप उन्हें किन रूपों में पाते हैं तथा क्या आप भी उनसे लाभ उठाते हैं? कक्षा को बताइए।